

मां कामाख्या कॉरिडोर का शिलान्यास

काशी और महाकाल कॉरिडोर की तरह विकसित होगा, 498 करोड़ रुपये खर्च होंगे : पीएम मोदी

गुवाहाटी, 4 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को गुवाहाटी के बेटरसी कॉरिडोर ग्राउंड में मां कामाख्या मंदिर कॉरिडोर समेत असम में 11 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया। इसे महाकाल और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तरह 498 करोड़ रुपये खर्च कर डेवलप करा जाएगा।

प्रधानमंत्री ने लोगों का संबोधित करते हुए कहा, अयोध्या में 22 जनवरी का श्रीरामलता के प्रण प्रतिष्ठा के भव्य आयोजन के बाद मैं अब यहां मां कामाख्या के द्वारा पर आया हूं। आज सुझे यहां मां कामाख्या दिव्यलोक परियोजना का शिलान्यास करने का सौभाय प्राप्त हुआ।

उद्घाटन कहा, कुछ लोगों ने अपनी ही संस्कृति पर शर्मिंदा होने का देख बन दिया था। पीएम ने कहा, कुछ लोगों ने अपनी ही संस्कृति पर शर्मिंदा होने का देख बन दिया था। कोई भी अपनी जड़ों को काटकर, अतीत को भूलाकर सफल नहीं हो सकता। कामाख्या कॉरिडोर का काम जब पूरा होगा तो ये देश और दुनिया भर से आने वाले में भक्तों को असीम आनंद से भर देंगे।

हामारे तीर्थ हमारी सभ्यता की यात्रा की अमित निशानियां : पीएम ने कहा, हमारे तीर्थ, हमारी मंदिर, हमारी आस्था के स्थान, ये सिर्फ दर्शन करने की स्थली ही नहीं हैं। ये हाजारों वर्षों की हमारी सभ्यता की यात्रा की अमित निशानियां हैं।

पीएम मोदी ने कहा, कि अयोध्या में भव्य आयोजन के बाद मैं अब यहां मां कामाख्या के द्वारा आया हूं। आज सुझे यहां मां कामाख्या दिव्यलोक परियोजना का शिलान्यास करने के सौभाय प्राप्त हुआ।

मोदी ने कहा कि आज सुझे एक बार फिर मां कामाख्या के प्रार्थने में असम के विकास से जुड़े प्रोजेक्ट्स आकार से सिर्फ एक हैं। इस दिव्यलोक की जो कल्पना की गई है, मुझे उसके बारे में विस्तार से



बताया गया है।

लोगों ने अपनी ही संस्कृति पर शर्मिंदा होने का देख बन दिया था। पीएम ने कहा, कुछ लोगों ने अपनी ही संस्कृति पर शर्मिंदा होने का देख बन दिया था। कोई भी अपनी जड़ों को काटकर, अतीत को भूलाकर सफल नहीं हो सकता।

कामाख्या कॉरिडोर का काम जब पूरा होगा तो ये देश और दुनिया भर से आने वाले में भक्तों को असीम आनंद से भर देंगे।

हामारे तीर्थ हमारी सभ्यता की यात्रा की अमित निशानियां :

पीएम ने कहा, हमारे तीर्थ, हमारी आस्था के स्थान, ये सिर्फ दर्शन करने की स्थली ही नहीं हैं। ये हाजारों वर्षों की हमारी सभ्यता की यात्रा की अमित निशानियां हैं।

भारत ने हर काम पर आयोजन करते हुए कैसे खुद का अटल रखा, ये उसकी साथी है।

मोदी ने कहा कि आज सुझे एक बार फिर मां कामाख्या के प्रार्थने में असम के विकास से जुड़े प्रोजेक्ट्स आकार से सिर्फ एक हैं। इस दिव्यलोक की जो कल्पना की गई है, मुझे उसके बारे में विस्तार से

अलावा कई और मंदिर हैं। यहां मातांगी, कमला, तिरुपुरु, सुंदरी, काली, तारा, भुवनेश्वरी, बगलामुखी, छिन्नमस्तिका, भैरवी, धूमावती देवियों और क्षेत्रियों के देख बन दिया था। कोई भी अंतराल के द्वारा बांधा गया है और मिजोरम से एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है और मिजोरम से एक बैठक में शमिल होने वाली नियमित तस्कर को भूला गया है। ये देख बन दिया था।

मोदी ने कहा, उत्तराखण्ड के लोकर उत्तराखण्ड रहा है। असम में 16 मिनिट्स को लोकर उत्तराखण्ड के लोकर उत्तराखण्ड रहा है।

मेरा हैदराबाद

लोग चाहते हैं की आप
बेहतर करें, लेकिन ये
भी तो सत्य है की वो
कभी नहीं चाहते की
आप उनसे बेहतर करें।

भाजपा को हराने के लिए बीआरएस और
कांग्रेस ने हाथ मिलाया : डॉ लक्ष्मण



हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा को राजसभा सदस्य के लक्ष्मण ने आरेप लगाया कि राज्य में आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को हापने के लिए कांग्रेस और बीआरएस ने हाथ मिला लिया है। रविवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, लक्ष्मण ने कहा कि दोनों दूसरे के बीच सहायता कर मार्ग है और वे चुनाव में भाजपा को हापने के लिए राज्यपाल ने बीआरएस की नज़र अब लोकसभा चुनाव पर है। इससे कुछ महीनों में ही वाले संसदीय चुनाव में टिकट के लिए नेताओं ने बोक्सिंग तेज कर दी है। जहां जाना रेडी के बीच रुबी पहले ही नलगोड़ा एमपी सीट के लिए आवेदन कर चुके हैं, वर्ती कामटी रेडी ने भूवनगिरी टिकट के लिए आवेदन किया है। कमटी रेडी वेकंट रेडी की बेटी श्रीमिती भी नलगोड़ा एमपी सीट से चुनाव लड़ सकती है। नलगोड़ा और भूवनगिरी लोकसभा क्षेत्र शामिल हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने ये दोनों सीटें जीती थीं। नलगोड़ा बंगला से एन. उमस्कमार रेडी और भूवनगिरी से कामटी रेडी वेकंट रेडी सासद के रूप में जीतकर ससान में पहुंचे। कांग्रेस नेतृत्व इस साल अलौट और मर्फ़ में ही वाले चुनावों में अपनी मौजूदा स्थिति बदलकर रखने के लिए मजबूत उमीदवारों के लिए भी काम कर रहा है। ताजा जानकारी के मासिक कामटी रेडी की बेटी श्रीमिती के नलगोड़ा से सासद उमीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने की संभावना है।

“आँटो चालक ईएमआई का भुगतान करने में असमर्थ”

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री, सीधीपेट विधायक हकीश राव ने संगोरेडी की जिले में पाटन तालाब का दीरा किया। हकीश राव ने पाटन चेरुवु बस स्टैंड पर आँटो चालकों से बात कर समस्याएं जानीं। इस मौके पर कई आँटो कार्मियों ने दुख जताया कि वे ईएमआई भी नहीं चुका पा रहे हैं। उन्होंने अफसोस जताया कि सरकार के फैसले से वे किया हो गया है। उसने हमेसे उसकी मदद करने को कहा। उन्होंने कहा कि आँटो चालाना ही परिवार का भ्रण-पोषण करने का एकमात्र जरिया है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सुन्दर बस तो अच्छी बात है, लेकिन ग्राहकों के नाम से आँटो चालकों के पास रोजगार नहीं रह गया है। उन्होंने अफसोस जताया कि वे इस प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह आँटो चालकों के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने आँटो चालकों को आशासन दिया कि विषय में रहते हुए भी बीआरएस जनता के मुद्दों पर संघर्ष करती रहेगी। बीआरएस 6.1 लाख आँटो चालकों की ओर से विधायक सभा में आवाज उठानी आस्तन्या जैसे जल्दबाजी में नियंत्रण न लेने की सलाह दी जाती है। उन्होंने बाद किया कि जब तक सरकार 10 हजार प्रतिमाह नहीं देती, तब तक संघर्ष करें। उके साथ बीआरएस के जन प्रतिनिधि, और कर्मी व अन्य लागू भी थे।

उन्होंने कहा कि केन्द्रीय के मामले में कांग्रेस ने हाथ खड़े कर दिये हैं। कांग्रेस सरकार ने अपना बाद तोड़ दिया है। चुनाव के दौरान कांग्रेस ने आशासन दिया था कि तैरू बंधु योजना के तहत किसानों को 15,000 रुपये आयाएं। बोर्ड देने, बुद्धा पेंशन बढ़ाने, और तकनीकों का 2 लाख कर्मी करने के अंदरूनी किया था। अब तक 12 आँटो चालकों ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि बीआरएस के शासन में 24 घंटे बिजली मिलती थी तो अब 15 से 16 घंटे बिजली मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आपके बाद इन्वेटर और जेररेटर की मांग बढ़ी है। बीआरएस ही तेलंगाना की समयावायों को लेकर अम जनता की ओर से लड़े।

पीईसी की बैठक कल गांधी भवन में

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश चुनाव समिति (पीईसी) की बैठक छह फरवरी की गांधी भवन में होगी। एमपी चुनाव लड़ने के लिए आरेप की समीक्षा की जाएगी। एमपी चुनाव लड़ने के लिए 17 सीटों के लिए 306 आवेदन रुपये हुए थे। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री रेडी रेडी करेंगे, इस बैठक में प्रभारी दीप दास मुर्मी, एआईसीसी स्टीफिंग कमटी के अध्यक्ष हरीश चौधरी, सदस्य जियेस मेवानी, विश्वजीत कदम, एआईसीसी प्रभारी सचिव और अन्य भाग लेंगे।

23 एमएमटीएस सेवाएं रद्द

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मौलानी-सनसार एस्टेशन की बीच नैन-इलाकिंग कार्यों के कारण, दृष्टिक्षण मध्य रेवर के अधिकारियों ने घोषणा की है कि रविवार से जुड़वा शहरों के बीच चलाए गए 23 एमएमटीएस सेवाएं रद्द कर दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस महीने की 9 तारीख तक तीन एमएमटीएस ट्रैन, 10 तारीख तक दो और और 11 तारीख तक 18 एमएमटीएस ट्रैन रद्द कर दी गई हैं।

कोमुरवेली में श्रद्धालुओं की भारी भीड़

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध शैवक्षेत्र में एक सीधीपेट जिले के कोमुरवेली मल्लिकुजुन स्थानीय मंडिर में भीड़ उमड़ रही है। मेल के तहत तीसरे रविवार की विधिन स्थानों से बहुमत सेवा में श्रद्धालु आये। भीड़ की बजाए में दर्शन में 5 घंटे से अधिक दूरी से रविवार के बीच चलाए गए। भीड़ की प्रमाणी 'मल्लाजा' की बहाने, युक्त एल्लामा को उड़ाना देकर कुपु लाभ करा रही है।

देरी से रवाना होगी तेलंगाना एक्सप्रेस

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पांच फरवरी को ट्रेन नंबर 12723 हैदराबाद - नई दिल्ली तेलंगाना एक्सप्रेस के रवाना होने के समय का पुरानीरण किया गया है। इसकी इकाई देने के दीरी से चलने के समय, पांच फरवरी को सबह 6 बजे है और बीआरएस ने उन्होंने शराब के साथ उन्होंने शराब की बात नहीं कहा।

सड़क किनारे वैन में एक व्यक्ति मृत मिला

हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंह इलाके में पुलगुड़ा रोड पर रविवार सुबह एक वैन में एक व्यक्ति मृत पाया गया। नरसिंह पुलिस स्टेशन की निरीक्षक जी हरि कर्ण रेडी के अनुसार, आज सुबह लगभग 5 बजे पुलगुड़ा रोड पर नगरपालिका कर्मचारियों को एक मालाती वैन में एक शर भिला। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि वह अपने दोस्तों के साथ यद्यपीरुगा था। हां सकता है कि वापसी में उन्होंने शराब पी हो। उन्होंने आगे कहा, 'मैं उसके दोस्तों को पूछताछ के लिए बुलाया हूँ।' फिलहाल कुछ सीधार्थ नहीं है।

नलगोड़ा में काबिल उमीदवार की तलाश शुरू

हैदराबाद 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेताओं ने नलगोड़ा एमपी सीट पर काम करना शुरू कर दिया है। तेलंगाना में चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस की नज़र अब लोकसभा चुनाव पर है। इससे कुछ महीनों में ही वाले संसदीय चुनाव में टिकट के लिए नेताओं ने बोक्सिंग तेज कर दी है। जहां जाना रेडी के बीच रुबी पर हाल अपने सीट के लिए आवेदन कर चुके हैं। वर्ती कामटी रेडी ने भूवनगिरी टिकट के लिए आवेदन किया है। कमटी रेडी वेकंट रेडी की बेटी श्रीमिती भी नलगोड़ा एमपी सीट से चुनाव लड़ सकती है। नलगोड़ा जिले में नलगोड़ा और भूवनगिरी लोकसभा क्षेत्र शामिल हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने ये दोनों सीटें जीती थीं। नलगोड़ा बंगला से एन. उमस्कमार रेडी और भूवनगिरी से कामटी रेडी ने ये दोनों सीटें जीती थीं।

पद्म पुरस्कारों के लिए चुने गए लोगों को पेशन के साथ 25 लाख रुपये : रेवंत रेडी



हैदराबाद 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम रेवंत रेडी ने खुलासा किया कि सरकार राज्य में प्रयोक्त विद्यार्थी पुरस्कार विजेता नेतृत्व इस साल अलौट और मर्फ़ में ही वाले चुनावों में अपनी मौजूदा स्थिति बदलकर रखने के लिए मजबूत उमीदवारों के लिए भी काम कर रहा है। ताजा जानकारी के मासिक कामटी वेकंट रेडी की बेटी श्रीमिती के नलगोड़ा से सासद उमीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने की संभावना है।

कार्यक्रम में पद्म पुरस्कारों के लिए चुने गए तेलुगु लोगों को गज्य सरकार ने समानित किया। इस कार्यक्रम में टालोंडे मासास्टर विद्यार्थी के लिए 25 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देगा। इसके अलावा उम्हानी रेडी ने उन तेलुगु लोगों को समानित किया है। जिन्हें विद्यार्थी की सीएम रेडी ने यह बात हैदराबाद के लिए भरी रुबी वर्षा दी गयी है। वर्ती कामटी रेडी ने यह बात हैदराबाद के लिए भरी रुबी वर्षा की आवश्यकता की जियेस रेडी, डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क, को समानित किया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले वाले जायदा बोली जाने वाली भाषा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में हमें अपनी अपनी भाषा, अपने सपनों और परपत्रों का सम्मान करना चाहिए। रेवंत रेडी ने कहा कि यह एक गैर-जातीयित कार्यक्रम है। इसी तरह रेवंत रेडी ने कहा कि हमें उन्हें देखना होता है कि विद्यार्थी क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं विद्यार्थी की जिम्मेदारी है। इसी क्रम में रेवंत रेडी ने यह बात देखा है कि विद्यार्थी को समानता का मान्यता देना हमारा काम है। इसी क्रम में रेवंत रेडी ने कहा कि देश में हिंदू के बाद तेलुगु लोगों का समानता का मान्यता देना हमारी उम्हानी रेडी की जिम्मेदारी है।

द

चंपई के सामने चुनौतियाँ

हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद जिस तरह सोरेन के कुछ घटों के लिए झारखंड में सरकार शन्य हो गई थी, वह अब चंपई सोरेन के सीएम पद की शपथ लेते ही समाप्त हो गया है। वे भी झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं। चंपई सोरेन राज्य के 12वें मुख्यमंत्री बन चुके हैं। बता दें कि बुधवार को देर रात ईडी की उपस्थिति में हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया, और कुछ घंटे बाद ही चंपई सोरेन को सरकार बनाने का आमंत्रण मिल गया तो शुक्रवार को दिन में ही उन्होंने शपथ प्रहण कर लिया। सरकार बनाने को आमंत्रित किए जाने में जो कुछ घंटों की देर हुई राज्यपाल की ओर से उसकी वजह भी बता दी गई थी कि कोई भी कदम उठाने से पहले वह कानूनी राय-मशविरात्रि कर लेना चाहते थे। इसके बावजूद झारखंड मुक्ति मोर्चा और विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं ने सार्वजनिक तौर पर आशंकाएं जतानी शुरू कर दी थीं कि राज्यपाल सरकार बनाने में देरी कर रहे हैं। जाहिर है इस आशंका के पीछे काफी समय से चल रहे हैं। राजनीतिक माहौल में जड़ जमा चुके परस्पर अविश्वास की भूमिका भी थी। इसके अलावा एक तथ्य यह भी था कि राज्य की 81 सदस्यों वाली विधानसभा में मौजूदा जेमप्पम-राजद-कांग्रेस सदस्यों वाली विधानसभा में बहुमत से कुछ ही अधिक है। कहने को तो उसके कुल 47 विधायक हैं लेकिन अभी 43 विधायक ही समर्थन में खड़े नजर आ रहे थे। ऐसे में आशंका थी कि अगर कुछ विधायकों का मन इधर-उधर हुआ तो बड़ा उलटफेर हो सकता है। कहा जा सकता है कि मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बावजूद चंपई सोरेन की आगे की राह आसान नहीं है। पहले तो यही देखना होगा कि वह राज्यपाल की ओर से निर्धारित दस दिनों की समय सीमा के अंदर विधानसभा में अपना बहुमत साबित कर पाते हैं या नहीं। पार्टी और सोरेने परिवार में कथित असंतोष की खबरों के चलते सबको साथ रखने की यह चुनौती चंपई सोरेन के लिए बहुत कठिन साबित होने वाली है। दिलचस्प बात तो यह है कि यह सब उथलपुथल लोकसभा चुनाव से ठीक पहले ही हुई है। जाहिर है इतने कम समय में नए मुख्यमंत्री को संभलने व समझने

का मौका भी नहीं मिलने वाला है। भ्रष्टाचार के जिन गंभीर आरोपों के बीच हेमंत सोरेन को ईडी के सामने पेश होकर पद छोड़ा पड़ा है, उनके साथे में ही चंपई सोरेन को चुनावी परीक्षा से गुजरना होगा। बहरहाल माना जा रहा है कि वह एक अनुभवी नेता है और उसकी ज्ञारखंड आंदोलन में भी उनकी भूमिका काफी उल्लेखनीय रही है। इसके बाद भी यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि वे चौतरफल संकट से धिरे हैं। वे इससे कैसे उबरते हैं यह देखना भी दिलचस्प होगा। लोकसभा के कुछ समय बाद ही झारखंड में विधानसभा चुनाव भी होने हैं, लेकिन अभी तो उनकी कार्यकुशलता की परीक्षा लोकसभा चुनाव में ही परखी जाएगी। ऐसे में देखना होगा कि चंपई सोरेन चुनावी कस्टी पर कितने खरे उतरते हैं। वे अपनी अगुआई में पार्टी पर आई आपदा में किसी तरह का राजनीतिक अवसर न तलाशते हैं। लोकसभा चुनाव में झारखंड में 14 में से 12 लोकसभा सीटों पर बीजेपी गठबंधन का कब्जा है, आगामी चुनाव में इसमें यदि कोई परिवर्तन वे कर पाते हैं तो यही उनके लिए राजनीतिक संजीवनी साबित होगी।

स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्रों में व्यापक सुधार की जरूरत



प्रियंका सौरभ

बजट पश किया, जहां उन्होंने पिछले 10 वर्षों में सरकार की व्यापक उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित किया। चूंकि यह चुनावी वर्ष है इसलिए बजट पूर्ण नहीं था, बल्कि लेखानुदान था और इसमें राजस्व या व्यय खाते पर प्रमुख घोषणाएं शामिल नहीं थीं। एक अंतरिम बजट, नियमित वार्षिक बजट से अलग, चुनावी वर्ष में प्रस्तुत किया जाता है (2024 लोकसभा के लिए चुनावी वर्ष है)। केंद्रीय बजट के समान, इस पर लोकसभा में बहस होती है और यह पूरे वर्ष के लिए वैध रहता है (भले ही यह लगभग 2-4 महीनों के लिए एक संक्रमणकालीन व्यवस्था के रूप में काम करने के लिए होता है)। आम तौर पर 'वोट-ऑन-अकाउंट' के रूप में जाना जाता है, यह नई सरकार के कार्यभार संभालने तक विशिष्ट व्यय को गारटा पूरा करन से चूकता नजर आ रही है। एक तरफ वह दलील देती है कि पचीस करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है तो दूसरी तरफ अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने पर अपनी पीठ भी थपथाती है। कुल मिलाकर यह प्रशासनिक रवायत है। पिछले दस वर्षों में, प्रत्यक्ष कर संग्रह तीन गुना से अधिक हो गया है और रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या 2.4 गुना तक बढ़ गई है। पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत अगले पांच वर्षों में दो करोड़ और घर बनाए जाएंगे। यद्यपि यह अंतरिम केंद्रीय बजट बहुत विस्तार वाला नहीं है। इसलिए यह समय ही बताएगा कि विकास की महत्वाकांक्षाओं को अधिक मजबूत करने के लिए एवं बजट की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी को कितना बढ़ावा देगा। उच्च और स्कूली शिक्षा दोनों को बजट में बढ़ा हुआ गए खेल ने कैंसर पीड़ितों और उनके लिए जुड़े-जुटे लोगों को कितना आहत किया है? इसका अंदाजा पूनम को नहीं होगा। अपने ध्यान खींचने के लिए पहले किसी ने ऐसी जुर्त की हो, या नहीं आता। क्या पूनम की इच्छोंरे झूठ से वाकई में कैंसर का प्रति जागरूकता फैला पाएगी कैंसर मरीजों या पीड़ित मानवों के प्रति इतनी ही हमदर्दी होती है दूसरे चैरिटेबल काम कर आर्थिक मदद पहुंचाती। जागरूकता लिए जहां-तहां अपने शो करते जो कैंसर के खिलाफ और बचाव के लिए कारगर मुहिम होते लेकिन ये क्या? उन्होंने तो पूरे देश के साथ एक तरह से धोखा किया वह भी अपनी ओर ध्यान खींच के लिए। यह माफी के काबिल नहीं हो सकता। पूनम कैसे भूल गई फिर ये वो देश है जहां किरदार को भगवान की तरह पूजा जाता है उसे कैसे याद नहीं कि लोकप्रिय सीरियल और फिल्मों के भगवा-



अशोक २

अशक्त भारत्या था, वासा नहा
। किसी भी नेता की गिरफ्तारी पर आम जनतां तरह का गुस्सा पैदा होता रहा है। राज्य में कहीं नहीं दिख रहा है। के एक्शन के खिलाफ विपक्ष ही रहा है। कांग्रेस के नेता सीबीआई को तोता और सरकारी बोलकर शांत हो जाते हैं। कभी ने ईडी और सीबीआई के एक्शन बड़ा राजनीतिक आंदोलन बोलकर कोशिश नहीं की। ज्ञारखंड में राज्य हलचल के बीच हेमंत सोरेन के पार्टियों कांग्रेस-जेएमएम के विधायकों की टूट का डर सताने 5 फरवरी को होने वाले शक्ति पहले ही उन्होंने अपने विधायकों के हैदराबाद के एक रिजॉर्ट में कैद दरअसल सत्तारूढ़ दल कांग्रेस अपने ज्ञारखंड के विधायकों को कैद करने में कोई कसर नहीं छोड़ दरअसल, पार्टी में टूट और विधायकों हॉर्स ट्रैकिंग का शिकार होने से बचाने के लिए पार्टियों ने यहां पर्याप्त में अपने नेताओं के लिए अलग व्यवस्था, कमरों की सुरक्षा पुलिसकर्मी और कई अन्य व्यवस्थाएँ बता दें कि चार्टर्ड विमानों से 2 प्रति ज्ञारखंड के विधायकों को शामिल लियोनिया होलिस्टिक डेस्ट्रेनेशन गया था और सभी 40 विधायकों

एक्षन के लिया है जिस तकिया चाहिए। रही है गोकप्रिय में जिस वो पूरे ही ईडी गुबर हो गी और हथियार विपक्ष लेकर ने की नीतिक समर्थक अपने तगा है। रशन से कों को दिया। जैसमएम 'सुरक्षा' इ रही। उनकों को वासों से रिजॉर्ट भोजन के लिए एं की। वरी को एपेट में लें जाया कों को एरेट में लिए गए हैं। आईसीसी सचिव और प्रधारी की निगरानी में 'ओह बिज ब्लॉक' में रखा गया। अब 5 फरवरी यानी आज विधानसभा में हेमंत सोरेन सरकार का शक्ति परीक्षण होना है। हालाँकि हेमंत सोरेन को भी विधानसभा में भाग लेने की अनुमति मिल गई है पर तब क्या होगा, किसी को खबर नहीं है। औरतलब है कि झारखंड का मुख्यमंत्री कौन होगा, इस पहली को जिस तरह सुलझाया गया है, उसने इस आदिवासी अंचल के सबसे रसूख वाले परिवार में कई दरारें डाल दी हैं। हेमंत सोरेन की गिरफतारी के बाद उनके उत्तराधिकार को लेकर शिबू सोरेन के तीनों बेटों के परिवार आमने-सामने आए। इस कलह को रोकने का तात्कालिक उपाय चंपई सोरेन के रूप में हुंदा गया लेकिन वो इस कलह का स्थायी समाधान नहीं है। सरकार और पार्टी पर नियंत्रण का खेल तो अब शुरू होगा। समर शेष है। झारखंड की राजनीति में कहा जाता है कि अगर दुर्गा सोरेन जिंदा होते तो हेमंत सोरेन की जगह पर वो ही झारखंड के मुख्यमंत्री बने होते। इसी बात को महसूस करते हुए सीता सोरेन अपने आपको कौं सियासी तौर पर स्थापित करने में जुटी रहीं। सीता सोरेन की दोनों पुत्रियों ने अपने पिता के नाम पर समानांतर संगठन दुर्गा सोरेन सेना खड़ा किया है। सीता सोरेन पहले कह चुकी है कि शिबू सोरेन और दुर्गा सोरेन के खून-पर्सीने से खड़ी की गई जैसमएम वर्तमान में दलालों और बैंग्मानों के हाथ में चली गई है। दूसरी ओर हेमंत के जेल जाने के बाद शिबू सोरेन के तीसरे बेटे बसंत सोरेन को भी महत्वाकांक्षाएं उबाल मार रही हैं। जाहिर है कि जब परिवार और सरकार में इतना कुछ चल रहा है, राजनीतिक खेल की गुंजाइश तो बनेगी ही। वैसे भी झारखंड की सियासत में हेमंत सोरेन की मुसीबत कम होने का नाम नहीं ले रही है। पत्नी कल्पना सोरेन को मुख्यमंत्री बनाने में मिली असफलता के चलते उन्होंने चंपई सोरेन को झारखंड का मुख्यमंत्री तो बना दिया पर लगता है कि बाजी उनके हाथ में ज्यादा दिन नहीं रहने वाली है। उनकी भाभी सीता सोरेन जो कांग्रेस-जैसमएम सरकार के खिलाफ बहुत पहले से मोर्चा खोलती रही है, उन्हें कब तक चंपई सोरेन की बादशाहत पसंद आएगी, यह देखने वाली बात होगी। हेमंत सोरेन और सीता सोरेन के बीच के सियासी रिश्ते जगजाहिर हैं। अक्सर वे अपनी मांगों को लेकर सरकार को असहज करती रही हैं। सीता सोरेन के बगावती तेवर के कारण ही बीजेपी को उनमें 'अपर्णा यादव' तो कभी 'एकनाथ शिंदे' होने की गुंजाइश नजर आती रही है। जैसमएम के टिकट पर तीसरी बार झारखंड विधानसभा में पहुंचीं सीता झारखंड की सियासत में मजबूत पकड़ रखती हैं। उनका दर्द उस समय से ही है जब हेमंत कैबिनेट में उन्हें जगह नहीं मिल सकी। हेमंत सोरेन के बड़े भाई दुर्गा सोरेन की पत्नी होने के चलते वे खुद को शिबू सोरेन का उत्तराधिकारी मानती रही हैं। कल्पना सोरेन को मुख्यमंत्री बनाने के प्रयासों का उन्होंने इसलिए ही विरोध किया कि जब कल्पना बन सकती हैं तो वो क्यों नहीं? सीता की बात सही भी है। ऐसा राज्य में बहुत से लोग मानते हैं कि सीता के साथ अन्याय हुआ। तीन बार विधायक बनने के बावजूद उन्हें कैबिनेट में जगह नहीं मिल सकी। चर्चा चली कि चंपई सोरेन सरकार में हेमंत के छोटे भाई बसंत सोरेन को डिप्टी मुख्यमंत्री पद दिया जा सकता है लेकिन

सीता सोरेन को तो मंत्री बनाए जाने का भी जिक्र न हुआ । दरअसल सीता ने राज्य में कोयले के अवैध खनन को लेकर विधानसभा से लेकर सड़क तक आवाज उठायी है । हेमंत सोरेन के कई खास लोगों के खिलाफ खुलकर सरकार और संगठन को चिढ़ी लिख चुकी हैं । चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा होने के बाद रिंडिक वेबसाइट को दिए गए इंटरव्यू को पढ़कर ऐसा लग रहा है जैसे भूखी शेनी के समने से निवाला हटा लिया गया है । उनसे पूछे जाने पर कि क्या चंपई एक स्थिर सरकार दे सकते, वे कहती हैं कि मैं अभी रांची पहुंची नहीं हूँ वहां पहुंचकर, विधायकों से बातचीत करके ही कुछ बता सकूँगी । क्या चंपई सोरेन के नाम से आप संतुष्ट हैं, पर उनका कहना है कि ये पार्टी का फैसला है और उन्हें इस बारे में कुछ नहीं कहना है । इस इंटरव्यू में खुलकर कहती है कि उन्हें दुख केवल यह है कि हम अपने पति के झारखंड को जापान जैसा बनाने का सपना अब तक पूरा नहीं कर सके । दुर्भाग्य से उनके बाद मुझे कैविनेट में रहने और झारखंड को जापान जैसा बनाने का मौका नहीं मिला । यह पूछे जाने पर कि क्या आपको लगता है कि ईडी भाजपा के इशारे पर काम कर रही है, जैसा कई विपक्षी दलों को लगता है, और राज्य में सरकार बनाने के लिए हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया है? सीता सोरेन कहती है कि मैं इस समय इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहूँगी । यह एक लालाइन बताती है कि वो बीजेपी के खिलाफ कुछ भी बोलने से वो बच रही है । इसी तरह हेमंत सोरेन को झटे आरोप में गिरफ्तार किए जाने के सवाल पर भी वो कहती है कि मैं इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती । आम तौर पर अपनी पार्टी के किसी खास नेता के बारे में ऐसे संवेदनशील मौके पर इस तरह का जवाब बताता है कि आग लगा चुकी है बस हवा मिलने की देरी है । शिवू सोरेन के तीसरे पुत्र बसंत सोरेन को भी कभी कैविनेट में जगह नहीं मिली । अब अपनी भाभी सीता सोरेन की तरह उनकी भी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं बलवती हो रही हैं । उन्हें भी लगता है कि झामुमो उनके परिवार की पार्टी है तो उन्हें मुख्यमंत्री नहीं तो कम से कम डिप्टी मुख्यमंत्री तो बनना ही चाहिए । चंपई सोरेन मंत्रिमंडल में उन्हें डिप्टी मुख्यमंत्री बनाए जाने की चर्चा है पर अभी उन्हें कुछ नहीं मिला है । हालांकि जैसा बीजेपी संसद निशिकांत दूबे ने अपने द्वीप में लिखा था कि शिवू सोरेन चंपई के नाम पर सहमत नहीं थे ।

उनकी इच्छा थी कि बसंत सोरेन ही मुख्यमंत्री बने । शिवू सोरेन पहले भी अपने परिवार के किसी सदस्य को मुख्यमंत्री बनाने के चक्कर में झारखंड की सत्ता गंवा चुके हैं । भारत में आज भी राजनीतिक परिवारों में पुरुषों को ही उत्तराधिकार देने की चाहत रहती है । लालू यादव के परिवार में मीसा भारती के बजाय तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव को तवज्जो मिली । यही नहीं, गांधी परिवार में भी सोनिया गांधी ने हमेशा से प्रियंका गांधी की जगह राहुल गांधी को महत्व दिया । बसंत पार्टी को यूथ इकाई के प्रधान रहे हैं । शुक्रवार दोपहर में चंपई सोरेन ने 2 मंत्रियों के साथ शपथ ग्रहण कर लिया है पर बसंत का नंबर नहीं लगा है । हो सकता है कि मंत्रिमंडल विस्तार में बसंत और सीता सोरेन को बर्थ मिल जाए पर तब तक के लिए तो बीजेपी को मसाला मिल ही गया है ।

कैसर के नाम पर पूनम की घटिया पब्लिसिटी स्टंट



ऋतुपणे दवे

बने पात्रों को भी पूजा जाता है। इस हरकत से पहले कैसे भूल गई कि लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचे अभिनेताओं की मौत से आहत न जाने कितने प्रशंसकों ने अपनी जान तक दे दी। यूँ तो कई उदाहरण हैं पर एक ही यहाँ काफी है जहां दिग्गज तमिल अभिनेता से मुख्यमंत्री के मुकाम तक पहुंचे एमजी रामचंद्रन की 24 दिसंबर, 1987 को मृत्यु के बाद तमिलनाडु दहल उठा। हर कोई दुखी था और हाहाकार मचा हुआ था। लोग इतने आहत कि किसी ने अपनी नसें काट लीं तो किसी ने जहर पी लिया। कइयों ने अपनी उंगली और जीभ तक काट डाली। दुखी लोगों के एमजीआर घर के सामने रोन-चिल्लाने का रिकॉर्ड भी बना। माना कि यह एक सार्वजनिक उन्माद था जिसमें आत्महत्याओं के अलावा, एमजीआर की मौत के बाद भड़के लोगों पर हुई फायरिंग से 29 और मौतें भी हुईं। अच्छा हुआ कि फरेबी पूनम शोररत के उस मुकाम तक नहीं पहुंच पाई थी वरना उसकी यह खलनायकी कितनी भारी पड़ती? पूनम की हद दर्जे की फिराई देखिए। इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए अपने जिंदा होने का सबूत खुद कुछ ही घण्टों में देती है कि उस कैसर नहीं है। उसने तो सर्वाईकल कैसर के खिलाफ जागरूकता के लिए ऐसा किया! जिस सोशल मीडिया पर फैन उनकी मौत का गमजदा हो, अंतिम संस्कार का स्थान पता कर रहे थे, वही अब उसे ट्रोल कर रहे हैं। उसी सोशल मीडिया पर उसके प्रति नफरत भरी न जाने कितनी पोस्ट घूम रही हैं। फिल्म इण्डस्ट्री भी भौंचक है। कई सितारे तक नाखुश हैं और खरी-खोटी सुना रहे हैं। इंडियन फिल्म एंड टीवी डायरेक्टर्स एसोसिएशन ने सख्त कार्रवाई की मांग तक की है। वाकई में पूनम पाण्डे ने उन सभी का मजाक उडाया है जो सर्वाईकल कैसर या दूसरे कैसर से जूझ रहे हैं। यकीनन कैसर घातक, जानलेवा और बेहद तकलीफदेह बीमारी है। केन्द्र और राज्य सरकारों के साथ चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ पूरे मनोयोग से कैसर रोगियों के लिए रात-दिन जुटे रहते हैं। पूनम का यह झूठ उन सभी पर मजाक जैसा है। क्या अकेले पूनम को ही बड़ी चिन्ता है? उसके फर्जी पीआर स्टंट से ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन भी खासा नाराज है जिसने फेक पीआर स्टंट को बेहद घटिया बताया। भला पब्लिसिटी के लिए मौत की झूठी अफवाह को लोग कैसे स्वीकारें? ऐसी घटिया हरकत किसी और हिन्दुस्तानी सेलेब्रिटी ने की हो याद नहीं आता। अपनी शोहरत के लिए हमेशा चर्चाओं में बने रहना पूनम का शगल है। अजीबों गरीब कारनामों के लिए चर्चित पूनम ने प्रसिद्ध निर्माता, निर्देशक सैम अहमद बॉम्बे को ढाई साल तक डेट किया उसके बाद 10 सितंबर 2020 को गुपचुप शादी कर ली। दोनों हीनमून मनने के लिए गोवा गए, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब साझा की। लेकिन शादी के महज 13 दिन में ही दोनों के बीच इतना झगड़ा हुआ कि सैम को जेल की हवा खानी पड़ी और आईपीसी की धारा 353, 506 और 354 के तहत मामला तक दर्ज हो गया। ग्लैमर की इस चकाचौंध भरी इंडस्ट्री में पूनम पांडे का नाम अनेकों लोगों के साथ जुड़ा फिर भी उसका फिल्मी कैरियर ज्यादा सफल नहीं रहा। इतना ही नहीं उसके ग्लैमर और बोल्डनेस का मिक्स अप ज्यादा नहीं चल पाया तो समाज सेवा का झूठा दिखावा करने के लिए ऐसे पब्लिसिटी स्टंट उत्तर आई? लगता नहीं कि इन दिनों कहीं ओटीटी प्लेटफार्म तो कहीं छोटे-बड़े पर्दे पर ध्यान खींचने खातिर कलाबाजियों का दौर चल रहा है?

अभी कुछ दिन बॉस-17' में अभिलोखिंडे अपने बिजविककी जैन के साथ जहां दोनों के बीच चुहुआ और रिश्ता सुरक्षित हुआ। ये लड़ाई इनके पहुंची। अंकिता की जैन ने फैमिली वीक हाउस में एंट्री की और खोटी सुनाई। यहाँ में जरूरी है कि विककी (दो-तीन साल की उम्र) अपने सामने देखा, उसके पिता के बुढ़ार में शासकी बड़े पद पर रहे। मैं उस प्रतिष्ठित सामाजिक रिजिम्मेदारी में था। वहाँ माँ रंजना जैन भी उस महिला विंग की अधिकारिक जिम्मेदारियां साथ संगठन को चोटांकों के प्रबंधन में हेमेशा उपलब्ध थी। यह सब मैंने बेहद कर उनकी मेहनत से चला सबको ऊंचाई पर पहुंचाया। उसके ठीक जैन पर उनके स्वामी सोशल मीडिया पर खुलासा और कटाक्ष किए गए कह सकता हूँ कि रंजना समझदार, पारिवारिक महिला हैं जो शिखर भी सामान्य हैं। अब दोनों की भावनाओं व जो परवरिश का ही अपनी माँ के पक्ष में स्क्रीन पर रंजना जैन या किया वह उपलिंग्स थीं न कि सुना का स्टंट। काश पूनम समझ पाती कि उसके छोटा सा कैरियर है। मैं उलझना ठीक नहीं गलती का अहसास है नहीं पता।

एमपी लोकसभा चुनाव कांग्रेस के लिए कठिन चुनौती

पर पहुंचने वाल रहतों। ब देखा। के भाग्य ने चाया। यहां लट रंजना व से इतर आलोचना मैं दावे से जैन बेहद सामाजिक पहुंच कर विककी भी समझता है र है। उसने कार्ड भी दी। ने जो कहा की रियल वियां बटोरने पाण्डे भी कुल जमा दांव-पेंच उसे अपनी या नहीं, बुनाव म एम्बा का 29 लाकसभा सीटों मे कांग्रेस महज एक सीट पर विजय हो पाई थी। वह सीट एम्पी के तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ के पुत्र नकुल नाथ की थी। प्रदेश में लगातार दो लोकसभा चुनावों से कमजोर प्रदर्शन करने वाली कांग्रेस क्या आगामी लोकसभा चुनाव में अब तक का सबसे कमजोर प्रदर्शन करने जा रही है.? या फिर कांग्रेस के नवगठित प्रदेश संगठन के पास कांग्रेस का सम्मान बचाने या बढ़ाने की कोई रणनीति है ? इन सुलगते सबालों के बीच प्रदेश में कांग्रेस संगठन की नैय्या हिचकोले खाती दिखाई दे रही है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस के आकस्मिक परिवर्तन से जहां पुराने नेताओं की नाराजगी साफ दिखाई दे रही है, कमलनाथ जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेता जिन्हे इंदिरा गांधी का तीसरा पुत्र कहा जाता है, इस वक्त संदेह के धेरे में दिखाई दे रहे है। वहीं कांग्रेस का लचर संगठन जमीनी स्तर पर अपना प्रभाव

କହତେ-କହତେ ନହିଁ ଥକତେ



Page 2

कहन
बहुत कुछ
अगर क
पे आते, दुनिया की इनायत है।
हम कुछ नहीं कहते। यह
पहले की बात रही। अब तो जै
बोलने की हर आदमी में होड़ ल
हुई है, कोरोना जैसी बीमारी हो
है। मोबाइल कंपनियां आप
अपने फोन पर ज्यादा से ज्या
बोलते रहने के लिए उकसा
रहती हैं, ताकि आपके “बोलों”
उनका “धंधा” चलता रहे। टी
पर देखें तो शॉपिंग चैनल में दो
प्रस्तोता इतनी तेजी से और फर
से लगातार बोलते रहते हैं कि अ
नासमझ से देखते रह जाएंगे 3
पशोपेश में कुछ ना कु

कहते-कहते नहीं थकते

ऊलजलूल चीजें खरीद जाएंगे। कहते हैं योगी, गुरु, संत, महात्मा बड़े ही मितभाषी यानी बहुत कम बोलने वाले और मौनी किस्म के ज्यादा होते हैं। तभी उनकी बातों का, उनके व्याख्यान का, उनके संदेशों का अनुकरण किया जाता है। “शोले” फ़िल्म की बहुत प्यारी और ढेर सारी बातें करने वाली बसंती जैसे तो आजकल हर कोई होता जा रहा है। अगर कहा जाए तो उससे भी आगे बढ़ रहा है। विशेषकर राजनीतिज्ञ, उनमें भी सत्ता में आसीन, उनके द्वारा समर्थित और उनके समर्थक सारे तोतों की तरह बोलते जा रहे हैं, वह भी बार बार लगातार। वार्तालाप, बातचीत, संवाद से परे यह सभी एक तरफा वक्ता बनते जा रहे हैं। वार्तालाप, बातचीत, संवाद में आप बोलेंगे तो सामने वाला अपनी प्रतिक्रिया स्वरूप कुछ बोलेगा, कुछ पूछेगा, कुछ स्पष्टीकरण चाहेगा, लेकिन केवल वक्तव्य देने या वक्ता बने रहने से प्रतिक्रिया, प्रश्न, स्पष्टीकरण से बचा जा सकता है। खुद को तनाव से, मानसिक दबाव से, यानी की स्ट्रैस से बचाया जा सकता है, क्योंकि सामने वाला क्या कुछ पूछ सकता है और उसका उत्तर आपके पास शायद न हो। होगा कैसे? अधिजल गगरी हैं तो छलकेंगे ही। वे मीठी-मीठी बोलने में विश्वास रखते हैं, भले ही उसमें ज्ञानशून्यता ही क्यों न हो। वे गलती-गलौज भी चाशनी में डुबोकर देते हैं वैसे ही जैसे शहद में डूबा कर जूता मारा जाता है। कहने का अर्थ यह है कि सभी को अपनी आवाज में आख्यान और शोश्नेह अच्छा लगता है। उनके दिल कि दुनिया में वही बुझानी है और विद्वान और सर्व ज्ञान संपन्न जब आख्यानों और विशेषकर राजनीतिज्ञों होने वाले विपरीतार्थ निकाल अज्ञानी सिद्ध कर देते हैं कि “कहने वाले अगर कहने पर कैसे? अधिजल गगरी हैं तो छलकेंगे ही। वे मीठी-मीठी बोलने में विश्वास रखते हैं, भले ही उसमें ज्ञानशून्यता ही क्यों न हो। वे गलती-गलौज भी चाशनी में डुबोकर देते हैं वैसे ही जैसे शहद में डूबा कर जूता मारा जाता है। कहने का अर्थ यह है कि सभी को अपनी आवाज में आख्यान और शोश्नेह अच्छा लगता है। उनके दिल कि दुनिया में वही बुझानी है और विद्वान और सर्व ज्ञान संपन्न जब आख्यानों और विशेषकर राजनीतिज्ञों होने वाले विपरीतार्थ निकाल अज्ञानी सिद्ध कर देते हैं कि “कहने वाले अगर कहने पर कैसे? अधिजल गगरी हैं तो छलकेंगे ही। वे मीठी-मीठी बोलने में विश्वास रखते हैं, भले ही उसमें ज्ञानशून्यता ही क्यों न हो। वे गलती-गलौज भी चाशनी में डुबोकर देते हैं वैसे ही जैसे शहद में डूबा कर जूता मारा जाता है। कहने का अर्थ यह है कि सभी को अपनी आवाज में आख्यान और शोश्नेह अच्छा लगता है। उनके दिल कि दुनिया में वही बुझानी है और विद्वान और सर्व ज्ञान संपन्न जब आख्यानों और विशेषकर राजनीतिज्ञों होने वाले विपरीतार्थ निकाल अज्ञानी सिद्ध कर देते हैं कि “कहने वाले अगर कहने पर कैसे? अधिजल गगरी हैं तो छलकेंगे ही। वे मीठी-मीठी बोलने में विश्वास रखते हैं, भले ही उसमें ज्ञानशून्यता ही क्यों न हो। वे गलती-गलौज भी चाशनी में डुबोकर देते हैं वैसे ही जैसे शहद में डूबा कर जूता मारा जाता है। कहने का अर्थ यह है कि सभी को अपनी आवाज में आख्यान और शोश्नेह अच्छा लगता है। उनके दिल कि दुनिया में वही बुझानी है और विद्वान और सर्व ज्ञान संपन्न जब आख्यानों और विशेषकर राजनीतिज्ञों होने वाले विपरीतार्थ निकाल अज्ञानी सिद्ध कर देते हैं कि “कहने वाले अगर कहने पर कैसे? अधिजल गगरी हैं तो छलकेंगे ही। वे मीठी-मीठी बोलने में विश्वास रखते हैं, भले ही उसमें ज्ञानशून्यता ही क्यों न हो। वे गलती-गलौज भी चाशनी में डुबोकर देते हैं वैसे ही जैसे शहद में डूबा कर जूता मारा जाता है। कहने का अर्थ यह है कि सभी

र्धज्ञान का बघारना लगता है द्रुशाली है, है और तो विद्वान है। ख्यानों पर गी, लोग कर उन्हें हैं, तो यह बहुत कुछ ते, दुनिया कुछ नहीं जूद उनके हर अल्प तागिरी भी। इतना नना खूनी बचाव पक्ष ता होगा।

छाड़न म नाकाम दिखाई द रहा ह। अमूमन देश के सभी प्रदेशों में कांग्रेस का एक सा हाल है, किंतु मध्यप्रदेश में जो कांग्रेस 2018 के विधानसभा चुनावों में सत्ता तक पहुंच चुकी थी। जिसे ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत ने सत्ता से बेदखल कर दिया था, वर्ष 2023 तक आते-आते सत्ता से दूर ही नहीं कोसो दूर हो गई। कांग्रेस के विधानसभा प्रदर्शन से नाराज हाईकमान ने कमलनाथ के स्थान पर राऊ विधानसभा के पूर्व विधायक युवा और तेजरर्व नेता जीतू पटवारी को प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी, विपक्ष के नेता के तौर पर गंधवानी से युवा विधायक उमंग सिंगरा को जवाबदेही दी गई। उप नेता विपक्ष का जिम्मा अटेरे से विधायक हेमंत कटारे को दिया गया। कांग्रेस प्रदेश संगठन में हुए इस परिवर्तन के पीछे हाईकमान की मंशा प्रदेश में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की तो रही होगी। इस परिवर्तन के पीछे हाईकमान



केरल स्टोरी के बाद अदा शर्मा की रोजी के किरदार में दिखी थिलर व साइको स्टोरी

बॉलीवुड हीरोइन
अदा शर्मा इन दिनों
सीरियल किलर्स के बारे
में कुछ ज्ञादा ही जानकारी
हासिल करने लगी हैं। अब
आप उनके बारे में कुछ गलत
सोचें, उससे पहले ही बता दें
कि दरअसल ये सब वो अपनी
आने वाली सीरीज के लिए कर
ही हैं। यह ओटीटी प्लैटफार्म जी
पर आने वाली उनकी नई
रिलीज़ 'सनफ्लावर 2' है, जिसमें
एक करिश्माई बार डांसर का
किरदार निभा रही है।
अनोखे रोल की खास तैयारी
एक एक्टर के तौर पर अपने
किरदार को बेहतरीन तरीके से
करने के लिए उन्हें साइकोपैथ
और साइकोकिलर्स पर
डॉक्यूमेंट्री देखनी पड़ रही है।
आखिर इस अनोखे रोल के
लिए उन्होंने क्या खास
तैयारियां कीं, इस बारे में वह
बताती हैं, 'मैं फिल्म में रोजी
का किरदार निभा रही हूं।
अपने रोल को उम्दा तरह से
निभाने के लिए मैं सीरियल
किलर्स पर डॉक्यूमेंट्री
देखने के साथ ही
मल्टीपल पर्सनैलिटी
डिसऑर्डर वाले लोगों
पर भी फिल्म देख रही
हूं और इनकी
मानसिकता से
जारी जानकारी भी

इकट्ठा कर रही हूँ।' दीवार भी तोड़ देती हैं अदा जाहिर है कि अदा अपनी अदाकारी को जबर्दस्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। यहां तक कि दीवारों को हथौड़े से तोड़ने की ट्रेनिंग भी ले रही हैं। अदा ने बताया है कि उन्हें एक कंस्ट्रक्शन वर्कर की तरह ट्रेनिंग दी जा रही है और सिखाया जा रहा है कि कैसे दम लगाकर हथौड़े से दीवार को तोड़ना है। कुल मिलाकर वे बार डांसर रोजी का किरदार निभाने के लिए काफी उत्साहित हैं। उनका कहना है कि इस किरदार में कभी हँसमुख, तो कभी कुछ डारवानी, तो कभी प्यारी सी लड़की की तस्वीर नजर आएंगी।

अदा के साथ ये सितारे आएंगे नजर

अदा की तो इस सीजन में नई एंट्री है, लेकिन पिछले सीजन के बाकी एक्टर्स को इसमें दोबारा रोल मिला है। सुनील ग्रोवर, सोनू सिंह, मुकुल चड्हा मिस्टर आहूजा, आशीष विद्यार्थी दिलीप, अच्युत और रणवीर शौरी इसमें अहम रोल में नजर आएंगे। नया सीजन वहीं से शुरू होगा, जहां पुराना खत्म हुआ था। इसमें मिस्टर कपूर के मर्डर की तलाश की जा रही थी। बता दें कि यह सीजन नवीन गुजराल द्वारा डायरेक्ट किया जा रहा है।

पूनम पांडे के पब्लिसिटी स्टंट पर फूटा शर्लीन
चोपड़ा का गुस्सा, बोलीं- 'क्या हासिल कर लिया'



कैसर की बजह से पूनम को खो दिया है। साथ ही यह भी कहा गया कि परिवार की निजता का सम्मान किया जाए। शुरुआत में किसी को यकीन नहीं हुआ, लेकिन न्यूज एंजेसियों ने भी इस पोस्ट के हवाले से ही खबर की पुष्टि कर दी। यही नहीं, उनके मैनेजर ने भी अलग-अलग मीडिया से बात कर उनके निधन की खबर को सही ठहराया। शनिवार को अभिनेत्री ने खुद का एक वीडियो साझा करते हुए इस खबर को गलत बताया और अपने बयान में जोड़ा, 'मुझे खेद है कि मैं इस अंसू का कारण बनी और जिन लोगों को मैंने ठेस पहुंचाई है, उनके लिए मैं माफी चाहती हूं। मैं बातचीत में सभी को चौकाना चाहती हूं।' हम इसके बारे में पर्याप्त बात नहीं कर रहे हैं, जो कि सर्वाइकल कैंसर है।' शलिंजन ने आगे कहा, 'हाँ! मैंने अपने निधन की झूठी कहानी बनाई है... चरम मुझे पता है...लेकिन अचानक हम सभी सर्वाइकल कैंसर के बारे में बात कर रहे हैं, हैं न? यह एक ऐसी बीमारी है जो चुपचाप आपकी जान ले लेती है और इस बीमारी को तुरंत सुखियों में आने की जरूरत थी। मुझे इस बात पर गर्व है कि मेरी मौत की खबर से मुझे क्या हासिल हुआ है।' इसी बीच शनिवार को पूनम पांडे के खिलाफ वकील अली काशिफ ने एफआईआर दर्ज कराई है। मौत की झूठी खबर फैलाने के आरोप में पूनम की मैनेजर निकिता शर्मा के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

आदियोगी दर्शन करने पहुंचीं मौनी राँय, तखीरों
में महादेव की भक्ति में लीन दिखीं अभिनेत्री

छोटे पर्दे से बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखने वाली अभिनेत्री मौनी रॉय किसी न किसी वजह से चर्चा में रहती है। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है और फैस के साथ अपनी खुबसूरत तस्वीर साझा करती रहती हैं। मौनी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वे आदिवोगी शिव के दर्शन करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल हो रही हैं।

हा राजा स पावर हा रही हा। अभिनेत्री ने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ तस्वीर फैस के साथ साझा की हैं। इन तस्वीरों में मौनी रँग कोयंब्टूर में आदियोगी शिव प्रतिमा के दर्शन करती नजर आ रही है। इस दौरान अभिनेत्री गुलाबी रंग का सट पहने बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

मौनी पहली तस्वीर में शिवलिंग के सामने हाथ जोड़कर प्रार्थना करती नजर आ रही है। वहीं, दूसरी तस्वीर में वे शिव भक्ति में लीन नजर आ रही है। अभिनेत्री एक



अन्य तस्वीर में ध्यान लगाती दिख रही है। एक तस्वीर में मौनी महादेव को जल चढ़ाती नजर आ रही है। आदियोगी प्रतिमा के सामने पोज देते हुए मौनी बेहद प्यारी लग रही हैं। मौनी की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

मौनी ने तस्वीरें साझा कर कैशन में लिखा, 'तुम मेरे आदि, तुम ही मेरे अनंत, शिव शिव।' ईशा फाउंडेशन को लेकर उन्होंने कहा,

'हर बार की तरह एक शानदार अनुभव। मुझे आश्रम जाना बहुत अच्छा लगता है। यह मेरा सुरक्षित स्थान है, जब मैं वहां रहती हूँ तो मुझे जो आनंद मिलता है उसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती।'

मौनी रूप ने नागिन बनकर दर्शकों की खूब वाहवाही लुटी। इसके अलावा वे 'देवों के देव महादेव' में नजर आ चुकी हैं। इस सीरियल में मौनी ने पार्वती देवी

और सती का रोल निभाया था। मौनी की फिल्मों की बात करें, तो अभिनेत्री ने अयान मुखर्जी के फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में भी काम किया है, जिसमें आलिया भट्ट रणबीर कपूर, अमिताभ बच्चन और नागार्जुन मुख्य भूमिका में नजर आएं। इससे पहले वह 'गोल्ड' और 'मेड इन चाहिना' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

टिंकल खन्ना ने समानता का मतलब बताया दोगुना काम, नारीवाद को लेकर कही ये बात

अभिनेत्री टिवंकल खन्ना अब फिल्मों की दुनिया में सक्रिय नहीं है। वे बैटौर लेखक खुद को स्थापित कर चुकी हैं। इसके अलावा टिवंकल सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती है। हाल ही में अभिनेत्री ने एक महिला के रूप में कई जिम्मेदारियां निभाने का अपना अनुभव साझा किया है। टिवंकल ने शादी में समानता की वकालत करने की तरफ इशारा किया। उन्होंने कहा कि घरेलू कार्य अभी भी मुख्य रूप से एक महिला का काम होगा। टिवंकल ने अभिनेता अक्षय कुमार से शादी की है।

समानता का मतलब दोगुना काम-ट्रिवंकल
 ट्रिवंकल खन्ना ने हाल ही में एक बातचीत में कहा, 'हम महिलाएं हैं जो सोचती हैं कि हम काफी प्रगतिशील हैं, और फिर भी, यह खाना, घर, पर्दे, डायपर यह सब जाँब के साथ अभी भी हमारा काम है। हमने अपने साथ क्या किया है? नारीवाद आया है और हमें बस परेशानी हुई। मैं समानता को बहुत सपोर्ट करती थी, लेकिन समानता का मतलब काम को दोगुना करना है। यह ठीक नहीं है। तो मैं बराबर हूँ। तुम मेरे साथ आदरपूर्वक व्यवहार करोगे, परंतु मैं हर चीज से दोगुना कर रही हूँ। यह किसी भी तरह से कठिन है।'
 अभिनेत्री ने आगे कहा, 'अगर आप काम नहीं करते हैं तो यह

कठिन है, क्योंकि इसके अन्य परिणाम भी होते हैं, जब आप काम कर रहे होते हैं तो एक निश्चित स्वतंत्रता होती है, जिसका आप आनंद लेते हैं। क्योंकि आपको थोड़ा सा यह कहने का मन करता है। ठीक

परिणीति चोपड़ा ने मन्नारा को क्यों नहीं दिया था समर्थन? बिंग बॉस फेम ने बताई वजह

मन्नारा चोपड़ा ने 'बिंग बॉस 17' में सेकंड रनर-अप का स्थान हासिल किया है। मन्नारा टॉप 3 का हिस्सा बनकर भी बेहद खुश है। जब मन्नारा चोपड़ा 'बिंग बॉस 17' के घर में थीं, तो उनकी चर्ची बहन और ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा ने उनका समर्थन करते हुए एक नोट लिखा था। हालांकि, परिणीति चोपड़ा ने सलमान खान के शो के दौरान कभी भी

मन्नारा को अपना समर्थन नहीं दिया। हाल ही में एक बात मन्नारा से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने खुलासा किया ने 'बिंग बॉस' के फिनाले के बाद उन्हें मैसेज किया था।

આટીટી ફર

कब और कहां देख सकते हैं महेश
बाबू की फिल्म
साउथ सुपरस्टार महेश बाबू ने
'गुंटूर कारम' से दर्शकों का दिल
जीत लिया था। त्रिविक्रम श्रीनिवास
के निर्देशन में बनी एक्शन से भरपूर
फिल्म 'गुंटूर कारम' सिनेमाघरों में
धमाल मचाने के बाद अब ओटीटी
पर दस्तक देने के लिए तैयार है।
अब अधिकारिक तौर पर फिल्म के
ओटीटी प्रीमियर की घोषणा हो चुकी
है। यह फिल्म नेटफिल्म्स पर
रिलीज होगी और नेटफिल्म्स इंडिया
ने फिल्म के ओटीटी रिलीज डेट का
एलान भी किया है।

है और वह आग लगा रहा है। गुंटूर कारम नौ फरवरी को तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में नेटफिलक्स पर आ रही है।
महेश बाबू के अलावा, गुंटूर करम में श्री लीला, योनाक्षी चौधरी, प्रकाश राज, राम्या कृष्णा, राव रमेश, जगपति बाबू, अजय घोष और कई अन्य कलाकारों की एक बड़ी टोली है। फिल्म को त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा लिखा और निर्देशित किया गया है और हारिका और हसीन क्रिएशन्स बैनर के तहत नागा वामसी द्वारा निर्मित किया गया है, थमन एस ने फिल्म के लिए संगीत दिया है।

'गुंदूर कारम' में महेश बाबू को एक ऐसी भूमिका में दिखाया गया है, जिसका उनके प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, जिसमें एकशन और इमोशन का सहज मिश्रण है। कहानी महेश बाबू के किरदार रमाना पर केंद्रित है, जो कई सालों के बाद अपनी मां से दोबारा मिलता है और एक जटिल राजनीतिक स्थिति में फंस जाता है।

'गुंदूर कारस' 12 जनवरी, 2024 को संक्रान्ति 2024 के मौके सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसे प्रशंसात वर्मा की 'हनुमान', नागाजुन की 'ना सामी रंगा' और वेंकटेश की 'सैधव' सहित अन्य प्रसिद्ध फिल्मों से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। टकराव के बावजूद, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा अच्छा प्रदर्शन किया और दुनिया भर में अनुमानित 177 करोड़ की कमाई की।

है, मैं इतना कुछ टेबल पर ला रही हूँ। इसलिए मुझे इस टेबल पर बैठने का अधिकार है।'

उन्होंने आगे कहा कि सुवह जब उनकी बेटी नितारा उन्हें कंप्यूटर

उल्लंगन करना कुछ ये उपर्युक्त तत्त्व उल्लंगन के दूर के साथ देखती है, तो वह सहज ही मुड़ जाती है क्योंकि उसे लगता है कि वह व्यस्त है। इसके बाद ट्रिवंकल ने मजाक में कहा, 'वे बिना परवाह किए थेरेपी में उलझ जाएंगे और हमें दोषी ठहराएंगे। इसलिए, मुझे इसकी चिंता नहीं है।' ट्रिवंकल और अक्षय दो बच्चों के माता

卷之三

A close-up photograph of a pregnant woman's midsection. She is wearing a white, lace, long-sleeved dress with a V-neckline. Her belly is exposed, and her right hand is resting on her hip, showing a gold ring on her ring finger. The background is a plain, light color.



स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

युवा/कैरियर

सोमवार, 5 फरवरी, 2024 9

इन सेक्टर में हैं जाँब की बेहतरीन संभावनाएं

कोविड के चलते पूरी दुनिया की अधिकारियों में वृद्धि ने लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग में अधिक तकनीकी-सक्षम प्लेटफॉर्मों को भी चलते भारत की विकास दर भी निगेटिव हो गई थी, लेकिन अब उसमें लगातार सुधार हो रहा है। जहाँ कई सेक्टरों में चर्चे में हैं, वहाँ कुछ ऐसे सेक्टर भी हैं, जिनमें इस अपादा में अवसर भी बढ़ते हैं। आइये जानते हैं कि इन सेक्टर में क्या है कि करियर की सभावनाएं।

ई-कॉमर्स सेक्टर

कोविड और लॉकडाउन के चलते बाजार और दुकानें लंबे समय तक बंद रहीं। इसके चलते लोगों की निर्भरता ई-कॉमर्स कंपनियों की बढ़ती बढ़ गई। इस बजाह से अनलाइन ग्राहकों और ई-ट्रिल शॉप्स के लिए बड़े अवसर पैदा हुए हैं। लॉकडाउन में ई-कॉमर्स को छूट मिलने के बाद इन कंपनियों ने अपनी नेटवर्क चेन को ज्यादा मजबूत करने का काम किया। मैनेजमेंट की कंपनी को इन्होंने अच्छे से हैल्ड किया। हालांकि शुरुआत में कुछ दिक्कतें आईं, लेकिन बाद में ई-कॉमर्स कंपनियों ने इसकी रिकॉर्ड कर करते लोग। आज के समय में ई-कॉमर्स



हेल्पकेयर सेक्टर को सबसे ज्यादा फायदा हुआ। इस सेक्टर में लगातार अच्छी ग्रोथ हुई है। इसके चलते इस फैल्ड में जाँब की भी भरमार है। एक अनुमान के मुताबिक 2021 में इस क्षेत्र में काम करने वाले नए लोग अपनी



आईटी सेक्टर

कोविड से जहाँ कई सेक्टर को बहुत नुकसान हुआ, वहाँ जिल्हों सेलरी के मुकाबले 15 से 20 प्रतिशत बढ़ाती की उम्मीद कर सकते हैं। फार्म कंपनियों ने भी इस अपादा को अवसर में काम करने के बाद एक बड़ा उत्तर दिलाया। लोगों ने डॉक्टर से कंसल्ट किया और दवाओं का सहारा लिया। दवाओं के साथ हेल्प सप्लीमेंट, फेस मास्क, सैंडिंग इंजन, हाईजीन से चुड़े प्रोडक्ट की जमकर डिमांड आई और और अॉनलाइन दवाओं की सलाई में भी बढ़ोतारी हुई। लैब और टेस्टिंग की सुविधा में विकास होने के साथ बुस्ट भी किया गया है, जिससे निजी अस्पतालों को भी काफी फायदा हुआ है। इसके चलते आज के वाले समय में इस फैल्ड में जाँब की बेहतरीन सभावनाएं हैं।

‘रियल एस्टेट’ में रोजगार के अवसर

आज के दौर में रियल एस्टेट उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है और इसके साथ ही एक बड़ी मार्ग भी पैदा हो रही है। इस उद्योग के विकास के साथ-साथ, एक नौकरी क्षेत्र का उद्भव हुआ है जो रियल एस्टेट एंजेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम आपको नौकरी के अवसरों में सुधारजानक रूप से उन्नति करने में मदद कर सकता है।

यह अप इस क्षेत्र में नौकरी हूँ रहे हैं, तो एक अच्छा प्रशिक्षण कार्यक्रम आपको नौकरी के अवसरों में सुधारजानक रूप से उन्नति करने में मदद कर सकता है।

प्रशिक्षण अपको व्यापारी कौशलों, नवीनताम नियम तथा विधियों, विपणन और प्रचार के तरीकों, वित्तीय प्रबंधन ग्राहक सेवा और विचारशालानों की जरूरत के बारे में जिक्र करना चाहता है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से आप एक पेशेवर रियल एस्टेट एंजेंट के रूप



में अपनी योग्यता बढ़ा सकते हैं।

विक्री और खरीदारों को सम्प्रभुता बनाने में सहायता के अनुसार रियल एस्टेट एंजेंटों को अनुसार रखा रखने से पहले व्यावसायिक प्रशिक्षण लेना और उससे प्रमाणपत्र प्राप्त करना अनिवार्य बनाया गया था। एक अच्छा प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यापारी कौशलों को मास्फलता प्रदान करता है। जो आपको सफलतापूर्वक

नीट में अच्छा स्कोर करने के लिए इन बातों का रखें खास ध्यान

मेडिकल की दुनिया में कदम रखने के लिए नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंडेस टेस्ट एक महत्वपूर्ण परीक्षा है। इस परीक्षा को पास करने के बाद एक बुनियादी सिद्धांतों पर अपनी पकड़ सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण होगा।

बीट यूजी ने इन विषयों पर कर्तव्यों के लिए फोकस, तो स्टॉक में होगी बढ़ावाई। वायोलॉजी अपनी सोटें सुरक्षित करने के लक्ष्य के साथ अपनी तैयारियों में जुट गए हैं।

एनडीटी यूजी 2024 में तीन विषयों की फिजिकल, केमेस्ट्री और वायोलॉजी (वनस्पति विज्ञान और व्यापारीशास्त्र) को शामिल किया जाएगा। इसमें कक्षा 11वीं और

युवाओं के पास भी टैक या बी.ई. करने के बाद सर्टीफिकेट या डिप्लोमा कोर्स करने का भी विकल्प है।

यहाँ से कर सकते हैं शॉर्ट टर्म कोर्सें और डॉटोमेटिव क्षेत्र में शॉर्ट टर्म कोर्सेज के लिए कोर्सेज विकास और विनियोजन के लिए विशेषज्ञ बनाने के लिए विशेषज्ञ विकास करने का लक्ष्य।

युनिवर्सिटीज वैचल और मास्टर डिप्लोमा के लिए विशेषज्ञ कार्यक्रम को लिए विशेषज्ञ विकास करने का लक्ष्य।

युवाओं के लिए इन विषयों की जरूरत है। उन्होंने इन विषयों को अपनी तैयारी में जुटा दिया है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

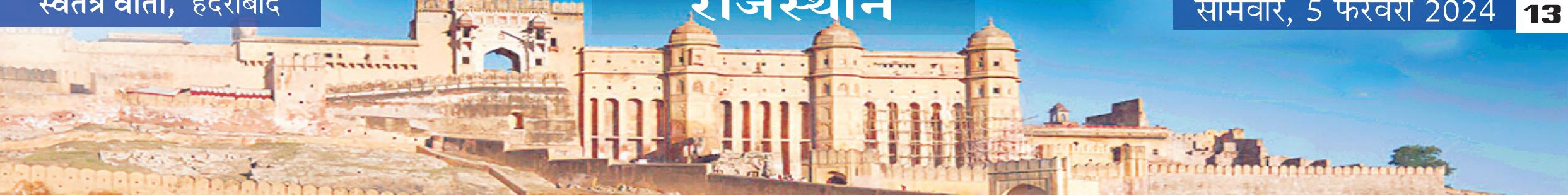
युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।

युवाओं को इन विषयों पर करने का लक्ष्य है।



ब्यूरोक्रेसी की बदली सूरत: जयपुर से दूर हुए गहलोत के खास रहे आईएएस-आरएएस अफसर; कुछ फैसलों से सीएम भजनलाल ने चौंकाया

जयपुर, 4 फरवरी (एजेंसियां)। पिछली सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर रहे आईएएस-आरएएस अफसर अब बदले जा रहे हैं। हालांकि जब भी सरकार बदलते ही सबसे पहले काम यही होता है।

गहलोत सरकार में बड़े पदों पर रहे ऐसे अफसरों का या तो जयपुर सचिवालय से बहुत दूर या बाहर के जिलों में बदला कर दिया गया है। कुछ को जयपुर में पोस्टिंग मिली है, लेकिन यह एक तरह से ठंडी पोस्टिंग ही है।

सरकार और ब्यूरोक्रेसी की रीत भी यही है। इस बार तो दूर हो गई, वरना राजस्थान में यह परिपाठी है कि राज बदलते ही सीएम और मीटिंगों में जुड़े अफसरों को उनके पदों से बहल-दूसरे दिन ही विदा कर दिया जाता है।

अभी तक बाते 25 वर्षों में यह पहला मामला है, अन्यथा राजस्थान में यह परिपाठी है कि राज बदलते ही तांप आईएएस अफसरों को सरकार बदलते ही तुंत बदला जाता रहा है।

इनके अलावा पूर्व सीएम गहलोत के प्रमुख शासन सचिव रहे कुलदीप राम के अंतिम वर्षों में अजिताभ रामांशी को नई सरकार में अच्छी पोस्टिंग दी गई है। राम को



दिसंबर-2018 से दिसंबर-2023 तक लगातार सीएमओ में रहे।

उन्हें पूर्व सीएम गहलोत का सबसे प्रभवीदा अफसर माना जाता है, उसके बावजूद वर्तमान सीएम भजनलाल ने पहली ही तांवदाला सूची में रांक को सामाजिक न्याय व अधिकारिता अधिकारिता विभाग में लगाया गया है।

इसी तरह सीएमओ में रहे अजिताभ रामांशी को नई बदला जाता है। अजिताभ रामांशी को नई सरकार में अच्छी पोस्टिंग दी गई है। राम को

आईएएस गोवर्नर डोगरा

का ताबदला

पूर्व सीएम अशोक गहलोत के कार्यकाल में उनके सीएमओ में शासन सचिव पदों पर रहे वर्ष 2006-2018 के दो आईएएस अफसरों गोवर्नर गोवर्नर और आरती डोगरा के क्रमान्वय राजभवन और आईटी विभाग में लगाया गया है।

गोवर्नर को गुरुवार को जरी

एपीओ आदेशों की सूचियां जारी कर ही दीं। कई दिनगंज अफसरों को नहीं बदला

वित्त और गृह विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव पर रहे अधिकारी अरोड़ा और आनंद कुमार को इस सरकार में भी इहीं पदों पर रखा गया है। इनके अलावा वित्त विभाग में राजस्व सचिव कृष्णकांत पाठक को भी इसी पद पर रखा गया है।

पाठक जुलाई-2022 से इस

पद पर अब तक बने हुए हैं तीनों

अफसरों को राजस्थान में बदाग

छवि वाले अफसर माना जाता है।

अभी तक बाते 25 वर्षों में यह पहला मामला है, अन्यथा राजस्थान में यह परिपाठी है कि राज बदलते ही सीएम और मीटिंगों में जुड़े अफसरों को उनके पदों से बहल-दूसरे दिन ही विदा कर दिया जाता है।

एक तथ्य यह भी है कि कुछ

अक्षर अब भी पुराने वाले पदों

पर ही हैं। सीएम भजनलाल ने बतार कार्मिक विभाग में अच्छी पोस्टिंग मिली है, लेकिन यह एक

तरह से ठंडी पोस्टिंग ही है।

रांक को जयपुर में बदला

जाता रहा है।

इनके अलावा पूर्व सीएम

गहलोत के प्रमुख शासन सचिव

रहे कुलदीप राम के अंतिम वर्षों में अच्छी

पोस्टिंग दी गई है। राम को

आईएएस गोवर्नर डोगरा

पर रखा गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत के कार्यकाल (2008-2013 और 2018-2023) में सीएमओ में आरती डोगरा को क्रमान्वय राजभवन और आईटी विभाग में लगाया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वसनीय अफसर सैनी को बांसवाड़ा भेज दिया गया है।

पूर्व सीएम गहलोत के विश्वस

भारत ने इंग्लैंड को दिया 399 का लक्ष्य तीसरे दिन मेहमान टीम ने बनाया 67/1 का स्कोर

विशाखापट्टनम, 4 फरवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में भारतीय टीम 255 रनों के कुल स्कोर पर ऑल आउट हो गई। टीम इंडिया ने कुल 398 रनों की लोड हासिल कर ली। भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 399 रनों का लक्ष्य दिया है। शुभमन गिल के बल्ले से शतकीय पारी देखने को मिली। इंग्लैंड ने कोई समाप्त होने तक 1 विकेट पर 67 रन बनाए, जीत के लिए।



104 (147)
शुभमन vs इंग्लैंड

चायकाल का सेशन समाप्त होने तक भारतीय टीम ने शुभम गिल का विकेट गंवा दिया था। वह शतक के बाद आउट हो गए। इसके बाद आउट हो गए। शुभमन ने 29 रनों की पारी खेल हो गए थे। गिल ने 104 और पटेल ने 45 रनों की पारी खेल भारतीय टीम को 250 के पर पहुंचा दिया। अंतिम बल्लेबाज के रूप में वह आउट हुए और भारत टीम जल्दी विकेट लेना चाहेगी।

इंग्लैंड के लिए यह लक्ष्य हासिल करना मुश्किल है लेकिन नामांकित नहीं है। इंग्लिश टीम वैज्ञानिक क्रिकेट में भारतीय खिलाड़ी है। ऐसे में उनके खिलाड़ी आज के दिन तेजी से बल्लेबाजी करते हुए नज़र आने वाले हैं। भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 332 रन की दरकार है।

भारत से मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने मजबूत और तेज शुरुआत की। जैक क्रॉनी और वेन डुकेट ने पहले विकेट के लिए पचास रनों की भारीदारी की। अश्विन ने डुकेट को 28 रन पर आउट कर इस भारीदारी को तोड़ा। नाइट हमेट कोंप के रूप में रेहान अहमद को भेजा गया। वह इसके बाद आउट हो गया। गिल ने 104 और पटेल ने 45 रनों की पारी खेल भारतीय टीम को 250 के पर पहुंचा दिया। अंतिम बल्लेबाज के रूप में वह आउट हुए और अहमद 9 रन बनाकर क्रॉनी पर थे।

टॉम हार्टली दूसरी पारी में चमके हैं। उनके ख्याल में कुल 4 विकेट आए हैं। उनके अलावा तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने जलवा विखरते हुए 2 खिलाड़ी आउट किए। रेहान अहमद को 3 विकेट मिले। शोएब बशीर ने भी एक विकेट अपने नाम किये। इस तरह सामूहिक प्रयास गेंदबाजों की तरफ से देखने को मिला।

भारत से मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने मजबूत और तेज शुरुआत की। जैक क्रॉनी और वेन डुकेट ने पहले विकेट के लिए पचास रनों की भारीदारी की। अश्विन ने डुकेट को 28 रन पर आउट कर इस भारीदारी को तोड़ा। नाइट हमेट कोंप के रूप में रेहान अहमद को भेजा गया। वह इसके बाद आउट हो गया। गिल ने 104 और पटेल ने 45 रनों की पारी खेल भारतीय टीम को 250 के पर पहुंचा दिया। अंतिम बल्लेबाज के रूप में वह आउट हुए और अहमद 9 रन बनाकर क्रॉनी पर थे।

अंडर-19 वर्ल्ड कप में हो सकता है भारत-पाकिस्तान फाइनल दोनों का सेमीफाइनल जीतना जरूरी; आयरलैंड से हारकर न्यूजीलैंड बाहर

जोहानसबर्ग, 4 फरवरी (एजेंसियां)। क्रिकेट प्रेसियों को एक बार फिर भारत-पाकिस्तान वर्ल्ड कप फाइनल देखने का मौका मिल सकता है, लेकिन इसके लिए दोनों टीमों को अंडर-19 वर्ल्ड कप में अपने-अपने सेमीफाइनल मैच जीतने होंगे। पहले सेमीफाइनल में 6 फरवरी को भारत का सामना मेजबान साउथ अफ्रीका से और 8 फरवरी को पाकिस्तान का सामना ऑस्ट्रेलिया से होंगा।

इस दूसरी कप से भारतीय टीम लाइनअप तय हो चुका है। भारत, साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान ने टॉप-4 जारी कर ली है। सुपर-6 राउंड में पाकिस्तान ने बालांदेश को 5 रन से, आयरलैंड ने न्यूजीलैंड का DLS मैथेट के तहत 41 रन से और इंग्लैंड ने जिम्बाब्वे को 146 रन के अंतर से हराया।

आयरलैंड की न्यूजीलैंड पर



पहली जीत आयरलैंड ने न्यूजीलैंड पर की जीत हासिल की है। आयरलैंड ने बल्मफोनेटन में टीमों ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 267 रन बनाए।

जीत हासिल की है। आयरलैंड ने कीवी टीम की वीएलएस मैथेट के तहत 41 रनों से हराया।

डेविस कप: भारत ने पाकिस्तान पर 2-0 की बढ़त बनाई इम्फामाबाद में रामनाथन और बालाजी ने दोनों सिंगल्स मुकाबले जीते; डबल्स और रिवर्स सिंगल्स आज

इम्फामाबाद, 4 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने डेविस कप वर्ल्ड ट्रॉफी 1 लो-ऑफ मुकाबले में पहले दिन पाकिस्तान पर 2-0 की बढ़त ले ली।

इम्फामाबाद में भारत के लिए रामनाथन और एन श्रीराम बालाजी, दोनों खिलाड़ियों ने अपने मैच जीते।

पहले दौर के मुकाबले में, भारत के सिंगल्स रामनाथन और एन श्रीराम बालाजी, दोनों खिलाड़ियों ने एक घंटे में 6-7, 7-6, 6-0 से हराया। वहीं, भारत के श्रीराम बालाजी ने एक घंटे 15 मिनट में अकेले खान को 7-5, 6-3 से हराया।

डबल्स और रिवर्स सिंगल्स रविवार को खेले जाएंगे। रिवर्स सिंगल्स में पहले दिन के अपनेनेट स्पैय हो जाते हैं।



1964 में आखिरी बार किया था।

पाकिस्तान का दोंगा

कप टीम ने 1964 में पाकिस्तान का दोंगा किया था, जब टीम मूर्तजा और बरकत उल्लाह का सामना करेंगे।

123 साल पहले शुरू हुआ

था डेविस कप, यह टैंसिस का

भारत के यूकी भांवरी और सोकेत मादेनी रविवार को टैंसिस डबल्स मुकाबले में मूजामिल मूर्तजा और बरकत उल्लाह का सामना करेंगे।

भारत 3 बार रनर-अप रहा डेविस कप 1966 में भारत सोकेत मादेनी रविवार को टैंसिस डबल्स मुकाबले में मूजामिल मूर्तजा और बरकत उल्लाह का सामना करेंगे।

भारत 3 बार रनर-अप रहा डेविस कप 1974 में भारत उपविजेता रहा था। 1974 में भी उपविजेता रहे। इसके अलावा भारत 1987 में भी फाइनल तक पहुंचा था। तब हमें स्वीडन के खिलाफ हार मिली थी।

न्यूजीलैंड बनाम साउथ अफ्रीका पहला टेस्ट, पहला दिन विलियमसन-रचिन शतक बनाकर नाबाद; स्टंप्स तक न्यूजीलैंड का स्कोर 258/2

को एलबीडल्यू कर दिया। वहीं दूसरा विकेट टीम लैथम का गिरा। वह 20 रन बनाकर डेन पैटरसन का देवर हुए।

इसके बाद रचिन शतक बनाने और बरकत उल्लाह का देवर हुए। वेंच पर वेंच खिलाड़ियों में 2 अनॉनेट हैं।

जिन 5 घंटेयर्स में पहले देवर खिलाड़ियों के अनुभवी दिखाई दिए। दोनों ने मिलकर 232 रन बना कर नाबाद है। यहां से टीम तीसरे दिन खेल को आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 80/0 के स्कोर के आगे बढ़ाएगी।

मेजबान टीम ने दूसरे दिन की शुरुआत 8

कांग्रेस के खिलाफ दृष्टिकोण कर रहे हैं पूर्व सीएम केसीआर और हरीश राव : सीएम

जल बंटवारे के मामले पर रेवंत रेडी ने केसीआर को दी बहस की चुनौती

हैदराबाद 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेडी ने कहा कि पूर्व सुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और टी हरीश राव पिछली सरकार में किए गए पार्टी के लिए कांग्रेस सरकार के खिलाफ भ्रायक जनकारी कैला रहे हैं। बीआरएस नेता इठे प्रचार के माध्यम से राजनीतिक लाभ उठाने की पुराजेर काशीश कर रहे हैं। एक राज्य प्रतिनिधित्व अधिनियम का मंजूरी प्रिलिने पर केसीआर ने कृष्णा और गोदावरी जल का वितरण केंद्र को सौंपने की मंजूरी दी। केसीआर इस अधिनियम को केंद्र को सौंपने की नींव तब रखी गई थी जब केसीआर सासद थे। टीआरएस ने आपनी नहीं जारी और केसीआर ने बोत किया और कानून बन गया। इसके लिए केसीआर और केशव राज मिमेदार हैं। कृष्णा नदी के 811 टीएमसी पानी के बटवारे पर दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ विचार-विवरण किया गया। केआरएमबी ने 18 जून 2015 को एक बैठक आयोजित की।

केसीआर और हरीश ने तेलंगाना का 299 टीएमसी पानी आवंटित करने पर हस्ताक्षर किए। तेलंगाना का 50 फीसदी हिस्सेदारी देने पर जोर न देकर



तेलंगाना ने अन्यथा किया है। परियोजनाओं को सौंपने की बात तेलंगाना में और केवल 32 प्रतिशत भाग आप्रैल प्रेस में बह रहा है। अंतर्राष्ट्रीय जल नियमों के अनुसार, तेलंगाना को अधिक पानी आवंटित किया जाना चाहिए। केसीआर ने अपनी स्वीकृति देकर तेलंगाना को मिलने वाले पानी को स्थायी रूप से बीआरएस नेतृत्व ने पहले लोकों को लेकर चुनौती दी। तेलंगाना कांग्रेस के लिए यह भी केसीआर वैटकर लिया गया। पिछली बीआरएस सरकार ने सम्मिति व्यक्त की थी कि 2022 में 15 परियोजनाएं केआरएमबी को सौंपी जाएंगी। केसीआर ने 19 मई को आयोजित 17वीं केआरएमबी बैठक

में हेडरेडी और केसीआर ने प्रगति भवन में 6 घंटे तक कृष्णा के बजट में केआरएमबी की 400 कोरड़ रुपये भी आवंटित किये गये। टीआरएस ने 2004 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार में भागीदार थी। जब पोरियेर्डीपांडु की क्षमता बढ़ाने का विद्युत लिया गया था हरीश और नैनी नेतृत्व नेतृत्व ने पहले लोकों को मोड़ा वैटकर लिया। केसीआर ने अपनी स्वीकृति देकर तेलंगाना को मिलने वाले पानी को स्थायी रूप से बीआरएस नेतृत्व ने पहले लोकों को लेकर चुनौती दी। तेलंगाना कांग्रेस के लिए यह भी केसीआर वैटकर लिया गया। पिछली बीआरएस सरकार ने सम्मिति व्यक्त की थी कि 2022 में 15 परियोजनाएं केआरएमबी को सौंपी जाएंगी। केसीआर ने 19 मई को आयोजित 17वीं केआरएमबी बैठक

बीआरएस फिर परचम फहराने को तैयार है : केटीआर



हैदराबाद, 4 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर रामा राव ने रेवंत विधायक चानूनों के लिए केसीआर के समर्थन नहीं किया था, वे निश्चित रूप से एक बार फिर गुलाबी दुखे की लालच में वापस आएंगे। उपर्युक्त विधायक चानूनों के साथ विचार-विवरण किया गया। केआरएमबी ने 18 जून 2015 को एक बैठक आयोजित की।

केटीआर और हरीश ने तेलंगाना का 299 टीएमसी पानी आवंटित करने पर हस्ताक्षर किए। तेलंगाना का 50 फीसदी हिस्सेदारी देने पर जोर न देकर

संसद ही तेलंगाना के लोगों की आवाज संसद में उठा सकते हैं। न तो रेवंत रेडी जिन्होंने लोकसभा में मलकाजगिरी का प्रतिनिधित्व किया और न ही राज्य से कार्ड कांग्रेस या भाजपा संसद संसद में राज्य के मुहूर्तों से लोकसभा में राज्य के मुहूर्तों से रेवंत रेडी पर निशाना साथ धरे हुए रामा राव ने कहा कि जब मुख्यमंत्री उनका लोकतान्त्रिक अनुरूप नहीं थे, उससे लोगों को कानूनी सिराज दुश्मा उड़ा उन्होंने कहा, उनके भाषण मुख्यमंत्री के रूप में उनकी स्थिति के अनुरूप होने वाली चाहिए। लेकिन जिस तरह से वह एक मुख्यमंत्री के कद के अनुरूप नहीं थे, उससे लोगों को कानूनी सिराज दुश्मा उड़ा उन्होंने कहा, उनके भाषण मुख्यमंत्री के रूप में उनकी स्थिति के अनुरूप होने वाली चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम 2019 में

मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र कुछ हजार बांटों के अंतर से हारा गए। मलकाजगिरी के दौरान राज्य के लिए पार्टी का अनुरूप दिवार जो ही हो, इस बार उनकी शानदार जीत सुनिश्चित की लोकसभा क्षेत्र को कांग्रेस से

छीनने के लिए एक जुटा के साथ

करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हम 2019 में

मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र कुछ हजार बांटों के अंतर से हारा गए। मलकाजगिरी के दौरान राज्य के लिए पार्टी का अनुरूप दिवार जो ही हो, इस बार उनकी शानदार जीत सुनिश्चित की लोकसभा क्षेत्र को कांग्रेस से

छीनने के लिए एक जुटा के साथ

करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हम 2019 में

मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र कुछ हजार बांटों के अंतर से हारा गए। मलकाजगिरी के दौरान राज्य के लिए पार्टी का अनुरूप दिवार जो ही हो, इस बार उनकी शानदार जीत सुनिश्चित की लोकसभा क्षेत्र को कांग्रेस से

छीनने के लिए एक जुटा के साथ

करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हम 2019 में

मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र कुछ हजार बांटों के अंतर से हारा गए। मलकाजगिरी के दौरान राज्य के लिए पार्टी का अनुरूप दिवार जो ही हो, इस बार उनकी शानदार जीत सुनिश्चित की लोकसभा क्षेत्र को कांग्रेस से

छीनने के लिए एक जुटा के साथ

करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हम 2019 में

मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र कुछ हजार बांटों के अंतर से हारा गए। मलकाजगिरी के दौरान राज्य के लिए पार्टी का अनुरूप दिवार जो ही हो, इस बार उनकी शानदार जीत सुनिश्चित की लोकसभा क्षेत्र को कांग्रेस से

छीनने के लिए एक जुटा के साथ

करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हम 2019 में

मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र कुछ हजार बांटों के अंतर से हारा गए। मलकाजगिरी के दौरान राज्य के लिए पार्टी का अनुरूप दिवार जो ही हो, इस बार उनकी शानदार जीत सुनिश्चित की लोकसभा क्षेत्र को कांग्रेस से

छीनने के लिए एक जुटा के साथ

करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हम 2019 में

मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र कुछ हजार बांटों के अंतर से हारा गए। मलकाजगिरी के दौरान राज्य के लिए पार्टी का अनुरूप दिवार जो ही हो, इस बार उनकी शानदार जीत सुनिश्चित की लोकसभा क्षेत्र को कांग्रेस से

छीनने के लिए एक जुटा के साथ

करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हम 2019 में

मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र कुछ हजार बांटों के अंतर से हारा गए। मलकाजगिरी के दौरान राज्य के लिए पार्टी का अनुरूप दिवार जो ही हो, इस बार उनकी शानदार जीत सुनिश्चित की लोकसभा क्षेत्र को कांग्रेस से

छीनने के लिए एक जुटा के साथ

करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हम 2019 में

मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र कुछ हजार बांटों के अंतर से हारा गए। मलकाजगिरी के दौरान राज्य के लिए पार्टी का अनुरूप दिवार जो ही हो, इस बार उनकी शानदार जीत सुनिश्चित की लोकसभा क्षेत्र को कांग्रेस से

छीनने के लिए एक जुटा के साथ

करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हम 2019 में

मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र कुछ हजार बांटों के अंतर से हारा गए। मलकाजगिरी के दौरान राज्य के लिए पार्टी का अनुरूप दिवार जो ही हो, इस बार उनकी शानदार जीत सुनिश्चित की लोकसभा क्षेत्र को कांग्रेस से

छीनने के लिए एक जुटा के साथ

करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हम 2019 में

मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र कुछ हजार बांटों के अंतर से हारा गए। मलकाजगिरी के दौरान राज्य के लिए पार्टी का अनुरूप दिवार जो ही हो, इस बार उनकी शानदार जीत सुनिश्चित की लोकसभा क्षेत्र को कांग्रेस से

छीनने के लिए एक जुटा के साथ

करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हम 2019 में

मलकाजगिरी संसदीय क्षेत्र कुछ हजार बांटों के अंतर से हारा